

UNIVERSITY OF CHICAGO
ORIENTAL INSTITUTE

2671

I

ॐ
०

23

विममरकपाठकंदरुटस्यादा ॥ विदिगमावकयरा ॥
उकवश्यचछाचंदरुटस्यादा ॥ उकवश्यचछाचंदरुट
दंदरुटस्यादा ॥ उवश्यश्यलाममिचंदरुटस्यादा ॥
उगागराश्यदंदरुटस्यादा ॥ उकवश्यश्यलाममिच
दंदरुटस्यादा ॥ उकवश्यश्यलाममिचंदरुटस्यादा ॥

उकवश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशे
दंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥ उद
दश्यश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशे
दंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥ उद
दश्यश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशे
दंदरुटस्यादा ॥ उदश्यश्यलकव्यवीशेदंदरुटस्यादा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ का का सा हं हं ट सा दा ॥ ॐ लू का सा यं हं हं
ट सा दा ॥ ॐ ५५ ना सा थं हं हं ट सा दा ॥ ॐ सू क वा सा
थं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म दा दी थं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म
द रू नी थं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म म थ नी थं हं हं ट सा दा ॥
ॐ व ॥ ॐ न ग क रं रं व ॥ दा वा वूं वूं क रं क री ष धी

मू हं ट दा म ॥ लू मी व धु ॥ या वा थं का व ॥ कि वि की वा व
व थं हं हं ट सा दा ॥ ॥ ॐ न मः स व ग थ ग ग म र ल
वी ग वि ला स न मि शः ॥ ॥ श्री च व स म र र हं व का
य ॥ ॐः हं वं हं वं गी ॥ ॐ हूं मा ॐ वि ना य हा ॥ ॥
सं थ य हा व यू जा वा सा मु नि ॥ ॥ ध न ॥ श्री द य द

[illegible][illegible]

म तिलं म हा वा च ॥ सुं गिं डं वा वं नी ॥ वै ज्ञ न ला ॥
ह म हा म दि नि ॥ म धु वा ध रू द मा व ला ॥ हा य
वि स्त्री ग ॥ य द्वा स ना सि नं ॥ मा का न्क ॥ स धा नि मा
नी ॥ स मा वू टा ॥ गो वी स ॥ इ द मा न्दा वि ना पि न्द
स यो व न्दा दि द वा र्क ॥ व सि नं ॥ ग सि मा ॥ नै क दे

या क वं ॥ ला क वं द्रा क वं ॥ सर्व स का रं व ॥ वा य व मो
म वं ॥ इ ल क वं ॥ इ ल वं ॥ श्री व ग म्नी व ॥ इ का व ॥ इ ट का
हा हा का व ॥ वा य म् ॥ स वा म् ॥ वि श्व व जा न्द
य न्दा क ॥ स र व वं ॥ स मा हा थ का व ॥ स ना वं ॥ म हा
सं का हा वं ॥ द्रा वि न म् ॥ स ना ॥ स व द् ॥ सु

गभाय हुंदाय ॥ हानं नृणां सखा गता गता विज्ञातं ॥
मस्तमानं ॥ गयमायनं ॥ या गदकायं ॥ निरूपय
नृणां ग ॥ के कि कल ॥ द्रुज ख द गी ॥ या ॥ ल से ॥ व
मू ॥ दुयी न न पा व द ॥ वयसू ॥ र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
न ॥ मदा मां मभदा निनं ॥ ॥ यिन ॥ मो विनं ॥ ॥ ॥ ॥

द्वो द्वव के ॥ नि ॥ घनं ॥ य विनं ॥ निमू ॥ व नी र स दी ॥
रिष नं ॥ या व नं ॥ धा व सं सा व का का व ॥ सं न्का धा ॥ मा
व विदा पि धी ॥ व उ स व न म ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ वं वज वा वा वं वं वं ॥ ॐ द धा या मि ने दं दं ॥ ॐ की
मा ह नी यं दं दं ॥ ॐ दं दं दं दं दं दं ॥ ॐ दं दं
मृता म नि यं दं दं ॥ ॐ दं दं दं दं दं दं दं
दा ॥ ॥ सं धा मि धे व व द धा ॥ र व व क व कि ल न ॥ या स
रु सा नि का नि ॥ क मि स वी कि दं कि ॥ स्तु व व न न व यं

धा ॥ वि न नी स व व द धा ॥ वि र ना वा म द धा ॥ क म ल म मि
नि गं ॥ व क यं दं दं दं दं ॥ दं दं दं दं दं दं दं ॥ य
वि ग मि मि व सा ॥ म क म दं दं दं दं ॥ म धु वी म धि गं ॥
जी ॥ म र व ग ल दं दं ॥ दं दं दं दं दं दं ॥ म व यी दं
कि ला म्पा ॥ व लं गं दं ग म नी ॥ दं दं दं दं दं दं ॥

मान न्यामान न्यामा ॥ विविध संयुता ॥ मध्य पश्य कन
या ॥ मृदा समुद्रिणा गी ॥ यव गन व वना ॥ सात जादा
व वागी ॥ मिथु वावृ ध द रु वृ ग रु प्र हा ॥ पृठ वी व धी
नाय का ॥ पिरा म्या न ग रु ॥ न के व म ॥ नानो विधा
नी च ना ॥ धी सं म्या धि ॥ विधा विधान के व म वा वा हि

का वं डि वि ॥ सर्व सिद्धि द वा ॥ य का ॥ य व मि द वी न
म स वृ दा ॥ याम नि र व म रु नी ॥ रु न र व वा वि जी त व
सं नी नी ॥ ग थ म वि म क या ॥ ग य मी व धी का ॥ च ल
प्रा रु ऊ य क म्ना न रु म रु नी ल सि व ॥ म वि धी ॥ म्ना म
वृ म वृ म स न न व नु ज द ग म रु व ॥ स न्य म क रु ध म

[illegible][illegible]

दा वरु ॥ वे ॥ अरु क न म रु ने ॥ द दा मि स र्वे वू द्वा नां ॥
मि गु आ ल व स र व ॥ ॐ दे न स र्वे वू द्वा नां ॥ यू आ ये यू
क ना य व ॥ म वू ट यं यू द्वा र व ॥ ॐ स र्वे वू द्वा म द्वा क
ट य मी च्छा दा दं ॥ ॥ म वू ट ॥ ॐ वरु ॥ अ न ॥ अ वी ॥ अ
रि वि वि रु मां ॥ ॐ स र्व व डि ॥ ॐ व र्व व डि ॥ ॐ व मी व

डि ॥ ॐ क र्व व डि ॥ अ रि वि वि रु मा ॥ ॐ दे गुं डी र्व ॥
ॐ व र्व व रु व दा ॥ अ या रि वि क र्व म सि वू द्वा व डा
रि वि क र्व ॥ ॐ दे न स र्वे वू द्वा र व ॥ गृ द्वा व ड, स रि द र्व ॥
द वरु ॥ ॐ व र्व वि वि मि र्व म रि विं ता मि ॥ ॐ व र्व व
रु स र्व र्व स र्व दा ॥ अ ॥ ॐ वरु ॥ ना मा रि वि क र्व :

धीरुत्तमकनामन अ गणेश्वरनाम ॥ ॐ अ हि जा न
वस्तुपि ना ॥ ॐ दे दि य धा वा वि ना न अ दे स्ता प रि ष्ठा
मि ॥ ॐ आः प्र रि ष्ठा क स म व ॥ ॐ ॥ ॐ आ के व न ॥
ॐ आ ये वे प्रा व ना य स्था दा ॥ ॐ प्र का था य स्था दा ॥ ॐ व न
सं र वा य स्था दा ॥ ॐ सु मि ता रा य स्था दा ॥ ॐ प्र द मि दि
मा

य स्था दा ॥ ॐ प्रा व ना य स्था दा ॥ ॐ मा म कि य स्था दा ॥
ॐ या नु वा य स्था दा ॥ ॐ वा वा दे वी य स्था दा ॥ ॐ वा
प दा व यू जा ॥ ॐ न मः स्तु ते क व द्वा ना ॥ प्र का था
दि व न ल्पे व ॥ न श्च वे वा व न ना र्थ ॥ ॐ क व द्वा न म
स्तु ते ॥ ॐ न मा र ग व न वी व वी व श्च वा य द्वा

ॐ ॥ महाकल्याणि सन्नि शायं ॥ ॐ ॥ ताम्र
महाकल्याणं ॥ ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय
ॐ ॥ ॐ ॥ महाकल्याणं शायं हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
यत्र सुखा ॥ ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥

वयं सुखाय ॥ ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
यत्र सुखा ॥ ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ताम्रकलाप्रोवने हि सुहासुखाय ॥ ॐ ॥

॥ गङ्गा श्रेष्ठी ॥ ता वरुण ॥ यत्रै स्मर्य धीः ॥ हंस
त्रक्षः ॥ कनक वदनः ॥ अक्षय सुख क्षत्री ॥ उ
क्त लमाद ॥ श्री ॥ यत्रै वा रुनी ॥ चन्द्र वर
त्रो सुनः ॥ विष्णु वरुणा ॥ हंस ॥ अक्षय सुख ॥ अ
॥ धीः ॥ निला वधु स हीना ॥ अक्षय लव गनपति

सहिना ॥ अक्षय सिद्धि सुनूक्त लभायुपदायनी ॥ अक्षय
त्रक्षिपाय विनास काशयुक्ति म ॥ ०० ॥ न्दाय निः ॥ दक्षि
या रुना ॥ वृक्ष सुवदनः ॥ वरुण देवा ॥ अक्षय सुनवा
ला दिद्यन धालवृणा ॥ अक्षय गुरुणा ॥ सहिषात धीः
०० ॥ अक्षय ॥ चन्द्र देवी ॥ वृक्ष वदन ॥ सहिषात रुन

श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥

श्री गुरु सा १५५ ॥

SHRI GURU SA 155

2671

I

भयंकरं विष्णुं कलनं ॥ यत्पुष्पं यथा ज्ञाना ॥ च नाया लमिना
 सदा वरहरणं ॥ कल्याणं नीमं कल ॥ एवमुक्तं न कवचं
 सुवैद्यो लोका विमुक्त ॥ स प्रमनं विमिश्र ॥ चन्द्रवदिति
 कोनि ॥ धनकनकं समृद्धिजारा नृणां वर ॥ श्रीगणेश
 वरं देहि मङ्गलं कारुण्यं नो धेनु न्या ॥ देवाः देवस्य देवस्य

[illegible]

वज्रसत्त्वश्चिरं कर्मयुग्मं ॥ शुक्रवर्धकं च वरुणः ।
 प्र० विविधा रक्षा ददाति मे ॥ नीलसिद्धिदं न भ्रातृभ्यो ॥ ॐ
 न्द्रनीलवर्धन ॥ अक्षय्यालंकरणं ॥ मोदिने ॥ युवराजाय
 केशवा ॥ ॥ आर्कपूजनं ॥ पात्रादियुक्तं च ॥ ० ॥
 उं आत्यवयस कायाशरीरवज्रसत्त्वयुग्मं धनुषं

व कायया याचमनार्थी नीच्छ साहा ॥ ॥ ध्यान ॥ स्था
प्राय ॥ ० ॥ उं ह्र म श्च म्य वृ य न म ॥ उं हा पू ष्म म्य व र
म ॥ उं ह्र उ ड्य म्य व र न म ॥ उं रां यू व्व वि द दा य न म ॥ उं
सू द्वि पा य न म ॥ उं ल षू र ल ङ ग दा द वि स र न म ॥ उं त्रं
क व वू वृ व न म ॥ उं वा उ ए दी र्णा न म ॥ वा उ ए दी र्णा

ॐ लाङ्का दीपारण्य नमः ॥ ॐ वाङ्मय दीपारण्य नमः ॥ ॐ सुभा
ज वल्लारण्य नमः ॥ ॐ जय वल्लारण्य नमः ॥ ॐ लक्ष्मण वल्लार
ण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ रावण वल्लारण्य न
मः ॥ ॐ रावण वल्लारण्य नमः ॥ ॐ मन्त्रि वल्लारण्य नमः ॥
ॐ वाङ्मय वल्लारण्य नमः ॥ ॐ सुभा वल्लारण्य नमः ॥ ॐ सुभा

सूर्यारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ रावण वल्लार
ण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥
ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥
ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥
ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥ ॐ वल्लारण्य नमः ॥

उ प्रमे कावन वरु कर्म क वाह ॥ उं वरु ग स्य दं वरु
माय गां वरु गी य की ॥ उं वरु नृ वरु वरु नृ य पा ॥
उं वरु यू य दं वरु यू य गां वरु वा य की वरु ग य
॥ नमः सि दं न मा मि न मा नमः दं स्या हा ॥ वरु ॥
हा स्या हा ॥ घ ष ॥ ग कि उ दं ॥ ॐ ॥ उं न मा व वा य ॥

शु व्र वान मा प्र मार गाल धे न मा सं घाय म रु रु म
उं मः दं म न वरु स न शु व्र व ल ध क म वा य ॥ न न
म्य क रु ना व रा म न क वा य नमः दं नमः सु रु न
भानम ॥ रु क्ता रु दानम म्या मि ॥ रु व न र्थ य ॥ व द्य य ॥
र स्य य सा द कि व ॥ रु क्ता रु दानम ॥ रु व न र्थ य ॥ व द्य य ॥

कवयकुणावकावाः यस्यान विदुः इहाः सवितासमूहः
नमो नमस्तु मित्रियः युवराष्ट्रवारः ॥ नमो वल्लुवा
मिहापि सगनं नमः सर्ववृद्ध नमस्त्यामिः प्रमोददिनं तामि
नंः संघेष्टुगी लसत्यनप्रसन्ननरनमोष्टुगः प्रसन्नं सम्य
नवनंः सर्वप्रुगिदिनं मय्यमनूमात्रः अगल्लुवावृद्ध

प्राप्तेदधमनः आवाः सवन्नं यामिवृद्ध प्रमोदगच्छ
क्रमः प्राप्तेयिकु कवाम्यसः सवन्नं यामिवृद्ध ॥ उवा
दयामि ववथाप्रितिकं निमन्त्रयाम्यश्रुत् सर्वसत्ता
०० शान्तिप्रियववथाप्रित्यामि कानः युद्धाहवयंज
नमादिनामः अमनोसर्वेष्टुवा नंः युद्धाहवयंज

[illegible]

थन ॥ यायदशना ॥ • ॥ अनादिमिनमंसावनजन्तव्यः
 • जाययूनः यत्तु सादृश्याणां • दमं कायमरुद्रा
 यस्याभादिकिंशुतमद्यानारामाह्वन ॥ नदयस्यदश
 यामि ॥ यस्यानापिननापिगु ॥ वृद्धवशायकाप्रशा • ना
 नापिगुद्रासया ॥ युवयूय न्य केषपदाकारयस्य • वृ

द्विविधः शुद्धकदाष्टदशैतन्ननायायायननययय ॥ य
ल्लुमेन्द्रावृष्टीपापं ॥ न स्य त्रेदनायाम्यहं ॥ मया द. न नम
हन ॥ यत्किं किं पापमागमपक श्याय त्रसाय ह्य ॥ य ह्य
पासदम्यवय ॥ नाथानायूनः ययययूनयूनः शुभयय
मदय ॥ यन ॥ अहदकंसिदं नार्थं ॥ नकक यय

नमया ॥ ॐ ॥ थान ॥ ययययय ॥ ॐ ॥ ॐ शुकाया
मूरयं सवेधमो ना ॥ मायनूत्यनला ॥ लालमि नावमि
युक्तं वावि ॥ अमननयययमिच्छ स्वाहा ॥ अकषनया
यादि ॥ थन ॥ थानवाय ॥ ० ॥ ॐ ॐ दायस्वाहा ॥ अय
मायसाहा ॥ अयवृष्टास स्वाहा ॥ ॐ वृववाय स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मुनि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र निवासी ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र निवासी ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लोकपालमहेश्वर ॥ दक्षप्रसन्न ॥
 यथा ॥ लोकपालमहेश्वर ॥ ॥ धनं विजय ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इह मारुतः ॥ गङ्गा मारुतः ॥ सुगन्ध मारुतः ॥ अमृतं ध
न्य रवः ॥ सर्वे सिद्धि माय च्छुते ॥ सर्वे कर्मसूत सिद्धि क
धी च्छुते ॥ इहः इहः इहः इहः इहः इहः इहः इहः इहः इहः
सिद्धि च्छुते ॥ वज्र रवः मारुतः ससयः ससयः ॥ ॥ इहः इहः
सर्वे ससयः ॥ सिद्धि दत्ता कथा नूतना ॥ गङ्गा धर्म वृद्धि वि

षयः ॥ यूनवारा गङ्गा नारायण ॥ ॐ नमः ॥ गङ्गा १ वज्र
छुल्लिखितं न ॥ ॥ वृद्धि सिद्धि सः ॥ वृद्धि इह नहि
गङ्गा ॥ सर्वे धर्म कथा नूतना ॥ गङ्गा वरा वरा वरा वरा वरा
संस्तुतं गङ्गा ॥ गङ्गा वरा वरा वरा वरा वरा ॥ गङ्गा वरा वरा वरा
॥ ॥ देवदेव गङ्गा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा

ब्रह्मकांडं ॥ श्रुत्यं विहाय ॥ यथाम ॥ वेङ्गमं गम ॥ ८६ ॥
य ॥ नाडाउवे स्तन ॥ सुत्रोपविष्ट मूक ॥ कगी ॥ द
कि ॥ म हि मूखाया गी ॥ य ॥ म म म व हि का मू ॥ य य हि
फ ॥ श्री रु वू क ॥ य ॥ व मा मू ख य नं ॥ श्री का व म द य
स्तनं ॥ ०० ॥ मिद ॥ ०० ॥ मि श्र न्य वू ॥ ०० ॥ मि श्र य ॥ न व ॥ ०० ॥

क ०० ॥ मि न क वि हि न श्रु न्य वि हा य ॥ ॥ ग न ०० ॥ य ॥ ०० ॥
स ॥ ०० ॥ कं का ल मू ख्या द य ॥ ॥ व ॥ ०० ॥ स्त ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥
द ना स्त ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ स ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥
ल ॥ ०० ॥ स ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥
उ स ल ॥ ०० ॥ स ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥ य ॥ ०० ॥

शामाहवद ॥ अथानयादिवद ॥ द्याहश ० ॥ आद ॥
वकं वागवद ॥ सयं स्यामां सूर्ये वद ॥ सद्योय न ॥ द्या
न सूर्ये वद ॥ दृथा विष्णुपागनी ॥ अथ अणुमालनी
नैजा अणु वाक्यधी ॥ वायू अणु यमनृ यज्वली ॥
आकाश अणु यमनृ आलनी ॥ नवं स्तं ध्यात्वा ॥ न ग

सूदं न विष्णुदि ॥ ॐ ॥ हृदि स्तं कालेन ॥ विष्णुद
लयन ॥ यमक वि कायनी ॥ उदु सूर्ये मष्टु लं ॥ गदयनी
हृका वद ॥ गत्य विष्णुमन ॥ दि हृजं मंभवं रावराग ॥
रगवनां हृषु वद ॥ नृ क मूर्यं ॥ गि ॥ धनं ॥ आलीरा
सनसक्तिं ॥ मद्रा रं नृव का विवाया ॥ कानामानं

६
वर, द्रव्यादि का विगीर्णं • हृत् द्वयन वज्र वज्र घट्ट
धर्म • उदात्त वृत्तं • कथा वना लावट्टं • नष्ट
मृद्वयन्द का विधी ॥ ॥ विषय कथा न कसो विन • वृ
क गाननं • उद्योत्कृत कश्चिन् • श्री गीतादि वसावि
न • शोधय म नि य स न • साद्वन व जिल मात्रा • शीता

द्विषा वीर्णं • वृत्त मूदायुक्त कश्चि का वृत्त कूटु वम
स्य वा • निषा मधि रूषि न • य ह्यप वी न • र सी निष
मूदायु कादि मा • वृत्त पाल मि ना विषय धि • वृत्ति म
का • मूदि • न ग सा • न ग व नी • व का व धू मय क
मूखा • दि रू जाय न ना • मू क के जा गु ना य धु मं छि

